E

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

संस्कृत विशारद (बी.ए.) – बहि:स्थ

परीक्षा : जानेवारी – २०२३

सत्र ४ थे

विषय: व्याकरण – ४ (19E441)

दिनांक : १२/०१/२०२३ **गुण :८०** **वेळ : स.१०.०० ते १.००**

सूचना : १) उजवीकडील अंक त्या प्रश्नांचे गुण दर्शवितात. २) सर्व प्रश्न अनिवार्य.

प्र.१. चत्वारि सूत्राणि स्पष्टीकुरुत। **(२०)**

१) नश्चापदान्तस्य झलि २) न पदान्ताट्टोरनाम् ३) स्तो: श्चुना श्चु:
४) विप्रतिषेधे परं कार्यम् ५) छे च

प्र.२. आम्रेडितसंज्ञां सूत्रानुसारं स्पष्टीकुरुत। **(१५)**

अथवा

अनुस्वार/अनुनासिकसम्बन्धितानि सूत्राणि विशदीकुरुत।

प्र.३. रूपपरिचयं कुरुत। (केवलं पञ्च) **(०५)**

१) गुरवे २) विजित्य ३) एकाम्
४) मन्त्रिण: ५) लप्स्यते ६) अयम्

प्र.४. सामासिकपदानां विग्रहं कृत्वा समासनामानि लिखत। **(०५)**

१) कृष्णमेघा: २) ईश्वरनिष्ठ: ३) आदित्यचन्द्रौ ४) अनुत्सुक: ५) घटमृत्तिका ६) द्वारकानगरी

प्र.५. तद्धितं कृदन्तं वा लिखित्वा शब्दानामर्थान् लिखत। (केवलं दश) **(१०)**

१) १. वैदेही २. गत: ३. क्रिया ४. भारतीय: ५. दृष्टि: ६. पूजा ७. सन्तुष्ट: ८. धर्म:
९. विचरन् १०. पौर्वात्या: ११. सारमेय: १२. मर्त्य:

प्र.६. सन्धीन् विघटयत। (केवलं पञ्च) **(०५)**

१. नृपस्यौदार्यम् २. कालक्रमादागत: ३. तवापि ४. सम्पत्तिस्तु ५. विचित्रैव ६. बहवोऽपि

प्र.७. नामधातुं विचिनुत रूपपरिचयं लिखत च। (केवलं पञ्च) **(५)**

१) आशा येषां दासी तेषां दासायते लोक:।
२) उष्णो दहति चाङ्गारो शीत: कृष्णायते करम्।
३) निमिष: युगायते।
४) निरस्तपादपे देशे एरण्डोऽपि द्रुमायते।
५) याचनया मानव: लघयति।
६) दुर्जन: वृथा वैरायते।

प्र.८. एकं विषयमधिकृत्य संस्कृतेन निबन्धं लिखत। **(१५)**

१. गतानुगतिको लोक: २. मम प्रिय: नेता ३. आतङ्कवाद: महद्भयम्